भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2621

सोमवार, 17 मार्च, 2025/26 **फाल्गुन**, **1946 (शक)**

श्रम बाजार में एआई का ख़तरा

2621. श्री सुरेश कुमार शेटकर:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) देश के श्रम बाजार के लिए खतरा है जिससे विशेष रूप से कार्यबल और समग्र बाजार प्रभावित हो रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार द्वारा इस संबंध में कोई अध्ययन किया गया है/प्रतिवेदन तैयार किए गए हैं अथवा कोई कार्रवाई की गई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) से (घ): अगस्त 2024 में प्रकाशित नैसकॉम की रिपोर्ट "एडवांसिंग इंडियाज एआई स्किल्स" के अनुसार, भारत में एआई प्रतिभा के वर्ष 2022- 27 तक 15 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से 6 लाख - 6.5 लाख पेशेवरों से बढ़कर 12.50 लाख से अधिक पेशेवरों तक बढ़ने की उम्मीद है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से डेटा साइंस, डेटा क्यूरेशन आदि जैसे विभिन्न विषयों में रोजगार सृजन होगा। अब तक, एआई/बिग डेटा एनालिटिक्स प्रौद्योगिकियों में 3.20 लाख अभ्यर्थियों सहित 8.65 लाख अभ्यर्थियों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिला/प्रशिक्षण लिया है।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने नैसकॉम के साथ संयुक्त रूप से "फ्यूचर स्किल्स प्राइम" नामक एक कार्यक्रम शुरू किया है जिसका उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सहित 10 नई/उभरती प्रौद्योगिकियों में नियोजनीयता के लिए आईटी कार्मिकों का रि-स्किलिंग/अप-स्किलिंग करना है।

इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने "नेशनल एआई पोर्टल" (https://indiaai.gov.in/) आरंभ किया है, जो एआई से संबंधित पहलों, अकादमिक शोध, स्टार्टअप, नीति विकास और थॉट लीडरशिप संबंधी लेखों के व्यापक संग्रह के रूप में कार्य करता है। यह पोर्टल नैतिक एआई, तकनीकी प्रगति और उद्योगों के रुझान जैसे विषयों पर वेबिनार और ऑनलाइन सत्र भी आयोजित करता है।

*****